अभ्यास-पुस्तिका

स्वस्ति – प्रथमो भागः

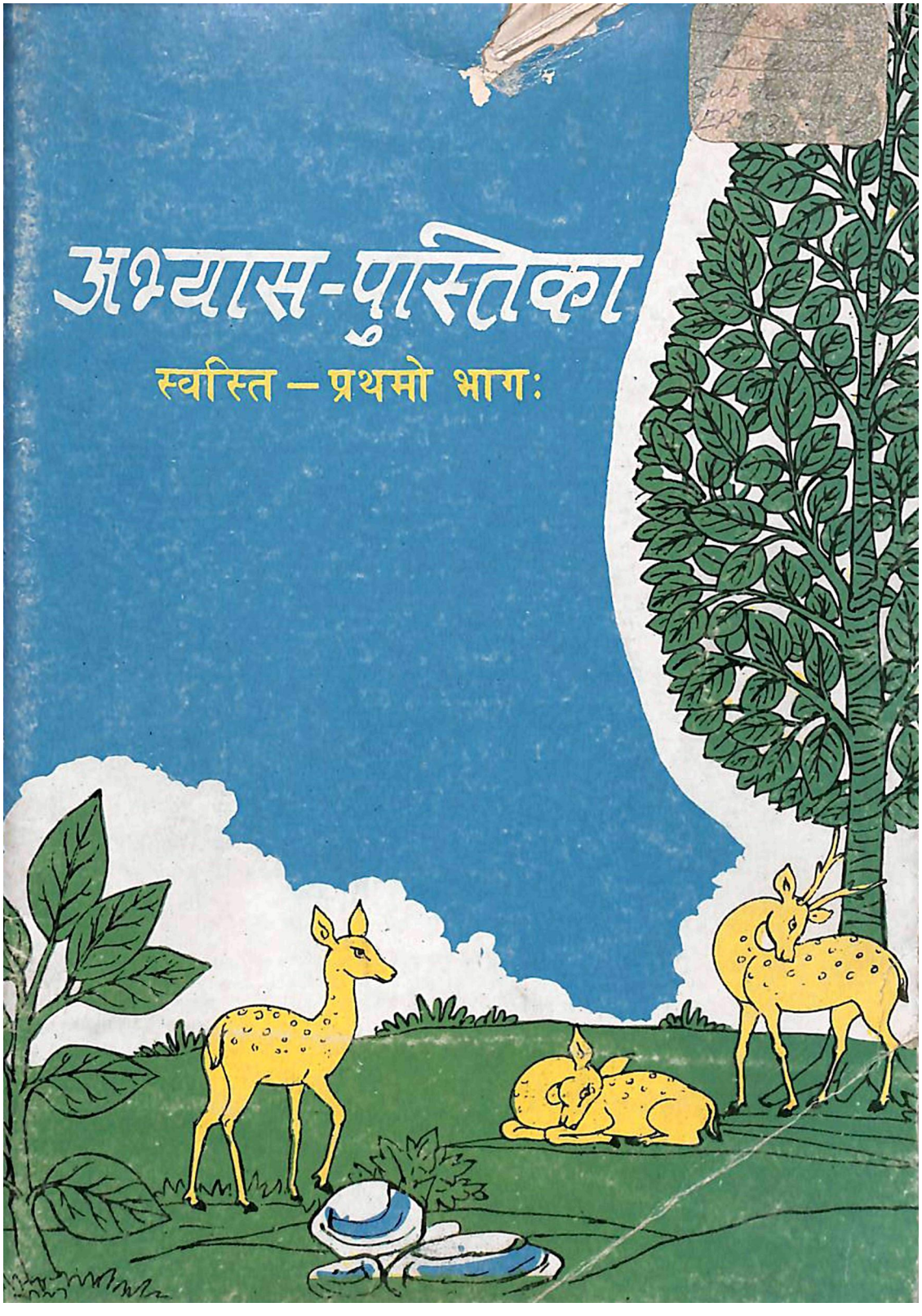

DATE DUE SLIP

Class No. ERM 3·1·152 *Book No.* _____

Accession No. 3024

This book should be returned to the Library on or before the date last stamped. Otherwise overdue charges shall be payable as per rules.

19/3/02		

अभ्यास-पुस्तिका

स्वस्ति — प्रथमो भागः

डॉ० कमलाकान्त मिश्र
श्रीमती उर्मिल खुंगर

NIRANTAR
3024
11 May 2001

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

प्रथम संस्करण
अप्रैल 1983 चैत्र 1905
सौलहवां पुनर्मुद्रण
जनवरी 2000 पौष 1921
PD 105T GR

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 1993

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रानिकी, मशीनी, फोटोग्राफिक्लि, रिकार्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
- इस पुस्तक को बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय, या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैम्पस	108, 100 फीट रोड, होस्डेकेरे	नवजीवन ट्रस्ट भवन	सी.डब्ल्यू.सी. कैम्पस
श्री अरविंद मार्ग	हेली एक्सटेंशन, बनाशंकरी III इस्टेज	डाकघर नवजीवन	32, बी.टी. रोड, सुखचर
नई दिल्ली 110016	**बैंगलूर 560085**	**अहमदाबाद 380014**	**24 परगना 743179**

रु. 18.00

प्रकाशन प्रभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा शकुन प्रिंटर्स, जे-11800/बी-1, पंचशील गार्डन, नवीन शाहदरा, दिल्ली 110 032 द्वारा मुद्रित।

प्रस्तावना

संस्कृतस्य महत्त्वमुद्दिश्य विद्यालये संस्कृतशिक्षणाय उपयुक्तपाठ्यक्रमपाठ्यपुस्तकादिविकासक्रमे प्रारम्भिकककक्षाभ्यः राष्ट्रियमेकं चतुर्वर्षीयम् आदर्शं पाठ्यक्रमं निर्माय राष्ट्रियशैक्षिकानुसन्धानप्रशिक्षणपरिषदः सामाजिकविज्ञानमानविकीशिक्षाविभागेन स्वस्तिनामकं चतुर्भागात्मकं संस्कृतपाठ्यपुस्तकं प्रणीतं यत् छात्रेषु संस्कृतभाषाज्ञानेन सह नैतिकविकासायोपकारकं भवेदिति ध्येयम् ।

पाठ्यपुस्तके पठितभाषातत्त्वानां सम्यगभ्यासाय विषयवस्तुनः सुकराधिगमाय च अभ्यासपुस्तिका निर्माणक्रमे प्रस्तूयते प्रथमोऽयं भागः । प्रयासोऽयं कियान् सफलः इति अनुभवसम्पन्नैः अध्यापकैरेव निर्णेष्यते ।

पुस्तिकायाः अस्याः पाण्डुलिपिनिर्माणतत्समीक्षणसंशोधनप्रकाशनादिविविधकार्येषु कृतश्रमः विभागस्य संस्कृतप्रवाचकः डॉ० कमलाकान्तमिश्रः प्रभूतं साधुवादार्हः । कार्येऽस्मिन् सहयोगाय सुंगरोपाधियुक्ता श्रीमती उर्मिलाख्या प्रसादोपाधियुक्ता डॉ० कु० स्नेहलता च अस्माकं धन्यवादमर्हन्तः । पाण्डुलिपिसमीक्षणसंशोधनार्थमायोजितकार्यगोष्ठ्यामुपस्थाय ये संस्कृताध्यापकाः विषयविशेषज्ञाः बहुमूल्यं परामर्शादिकं प्रदत्तवन्तः, तान् प्रति परिषदियं स्वकृतज्ञतां प्रकटयति । पुस्तिकेयं छात्रेभ्यः उपयुक्ततरा भवेदेतदर्थम् अनुभविनामध्यापकानां विशेषज्ञानाञ्च परामर्शाः अस्माकं स्वागतार्हाः भवेयुः ।

शिवकुमारमिश्रः
निदेशकः
राष्ट्रियशैक्षिकानुसन्धानप्रशिक्षणपरिषद्

श्वश्वेहली
31-12-81

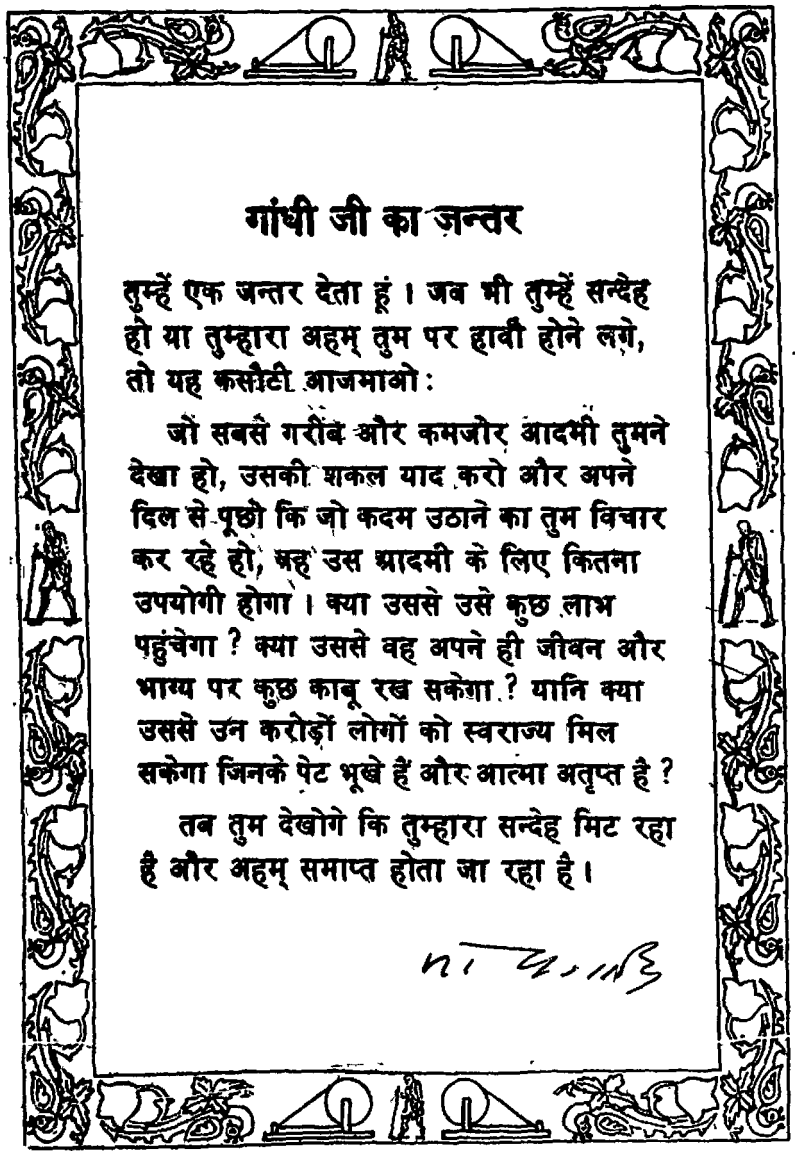

गांधी जी का जन्तर

तुम्हें एक जन्तर देता हूं। जब भी तुम्हें सन्देह हो या तुम्हारा अहम् तुम पर हावी होने लगे, तो यह कसौटी आजमाओ:

जो सबसे गरीब और कमजोर आदमी तुमने देखा हो, उसकी शकल याद करो और अपने दिल से पूछो कि जो कदम उठाने का तुम विचार कर रहे हो, वह उस आदमी के लिए कितना उपयोगी होगा। क्या उससे उसे कुछ लाभ पहुंचेगा? क्या उससे वह अपने ही जीवन और भाग्य पर कुछ काबू रख सकेगा? यानि क्या उससे उन करोड़ों लोगों को स्वराज्य मिल सकेगा जिनके पेट भूखे हैं और आत्मा अतृप्त है?

तब तुम देखोगे कि तुम्हारा सन्देह मिट रहा है और अहम् समाप्त होता जा रहा है।

म. गांधी

विषय-सूची

		पृष्ठाङ्कः
प्रस्तावना		iii
प्रथमः अभ्यासः	...	1
द्वितीयः अभ्यासः	...	6
तृतीयः अभ्यासः	...	10
चतुर्थः अभ्यासः	...	13
पञ्चमः अभ्यासः	...	16
षष्ठः अभ्यासः	...	22
सप्तमः अभ्यासः	...	27
अष्टमः अभ्यासः	...	30
नवमः अभ्यासः	...	35
दशमः अभ्यासः	...	40
एकादशः अभ्यासः	...	45
द्वादशः अभ्यासः	...	50
त्रयोदशः अभ्यासः	...	55
चतुर्दशः अभ्यासः	नीतिश्लोकाः	58
पञ्चदशः अभ्यासः	जन्तुशाला	60

षोडशः अभ्यासः	मूर्खवानरकथा	65
सप्तदशः अभ्यासः	सिंह-शशककथा	69
अष्टादशः अभ्यासः	दीपावलिः	74
एकोनविंशः अभ्यासः	धूर्तशृगालः	77
विंशः अभ्यासः	सिद्धार्थः	81
एकविंशः अभ्यासः	दशमः त्वम् असि	84
द्वाविंशः अभ्यासः	सुभाषितानि	89

प्रथमः अभ्यासः

दिनांक .....

उद्देश्य—अकारान्त पुल्लिग शब्द और वर्तमान काल में प्रथम पुरुष के एकवचन व बहुवचन के क्रियापद के रूपों का ज्ञान कराना ।

1. अनुवाद करो—

संस्कृत	हिन्दी
क. रामः पठति ।	राम पढ़ता है । (उदाहरण)
ख. श्यामः लिखति ।	.....
ग. बालकाः पठन्ति ।	.....
घ. ते लिखन्ति ।	.....
ङ. सः पठति ।	.....
च. नराः धावन्ति ।	.....

छ. अश्वः धावति । .....

ज. नराः चलन्ति । .....

(अध्यापक द्वारा रेखांकित अशुद्ध पदों एवं वाक्यों के संशोधन हेतु स्थान)

संशोधन .....

.....

2. रिक्त स्थान भरो—

क. सः पठति । (उदाहरण)

ख. नराः ..... ।

ग. सः ..... ।

घ. बालकः ..... ।

ङ. ..... लिखन्ति ।

च. ..... लिखति ।

छ. अश्वः ..... ।

ज. ..... चलन्ति ।

संशोधन .....

.....

3. संस्कृत में अनुवाद करो—

हिन्दी	संस्कृत
क. मोहन पढ़ता है।	मोहनः पठति। (उदाहरण)
ख. लड़के लिखते हैं।	.....
ग. वह पढ़ता है।	.....
घ. वे लिखते हैं।	.....
ङ. घोड़ा दौड़ता है।	.....
च. लड़के दौड़ते हैं।	.....

संशोधन .....

.....

4. चित्रों की सहायता से निम्नलिखित रिक्त स्थान भरो—

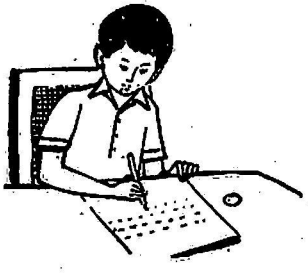

क. बालक: ..... ।

ख. ..... खेलन्ति ॥

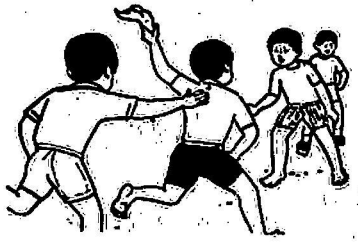

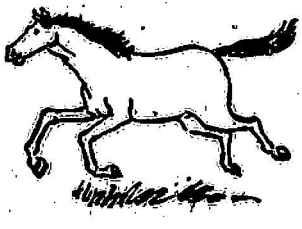

ग. अश्व: ..... ।

घ. ..... खादन्ति ।

संशोधन .....

.....

अध्यापक का हस्ताक्षर

द्वितीयः अभ्यासः

दिनांक .....

उद्देश्य—आकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों के एकवचन तथा बहुवचन का ज्ञान कराना।

1. अनुवाद करो—

संस्कृत	हिन्दी
क. बालिका पठति।	लड़की पढ़ती है। (उदाहरण)
ख. छात्रा क्रीडति।	.....
ग. सा पचति।	.....
घ. ताः क्रीडन्ति।	.....
ङ. सुधा पठति।	.....
च. बालिकाः हसन्ति।	.....

छ. ताः धावन्ति । .....

ज. ते हसन्ति । .....

संशोधन .....

.....

2. रिक्त स्थान भरो—

क. बालिका हसति । (उदाहरण)

ख. ..... क्रीडति ।

ग. छात्राः ..... ।

घ. ..... पठति ।

ङ. रमा ..... ।

च. ..... हसन्ति ।

छ. राधा ..... ।

ज. प्रभा ..... ।

संशोधन .....

.....

3. सः, सा, ते, ताः — में से सही पद का प्रयोग करते हुए खाली स्थान भरो—

क. सुधा पचति ।	सा पचति । (उदाहरण)
ख. बालिका वदति ।	..... वदति ।
ग. रामः हसति ।	..... हसति ।
घ. बालकः क्रीडति ।	..... क्रीडति ।
ङ. छात्राः वदन्ति ।	..... वदन्ति ।
च. बालकाः क्रीडन्ति ।	..... क्रीडन्ति ।
छ. बालिकाः धावन्ति ।	..... धावन्ति ।
ज. नरः चलति ।	..... चलति ।

संशोधन .....

.....

4. चित्रों की सहायता से रिक्त स्थान भरो—

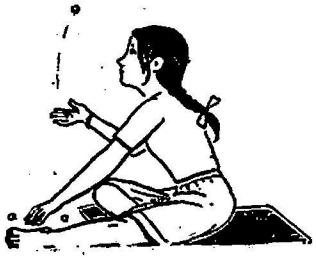

क. बालिका ..... ।

ख. ..... पठन्ति ।

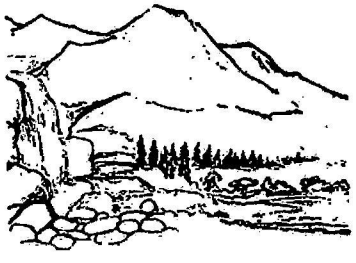

ग. गङ्गा ..... ।

संशोधन .....

.....

अध्यापक का हस्ताक्षर

तृतीयः अभ्यासः

दिनांक .....

उद्देश्य—अकारान्त नपुंसकलिंग शब्दों के एकवचन तथा बहुवचन का परिचय कराना।

1. **रेखांकित पदों को उपयुक्त सर्वनाम द्वारा बदलो—**

क. फलम् पतति।	तत्	पतति।	(उदाहरण)
ख. बालिकाः हसन्ति।	.....	हसन्ति।	
ग. कमलानि विकसन्ति।	.....	विकसन्ति।	
घ. नरः चलति।	.....	चलति।	
ङ. अश्वाः धावन्ति।	.....	धावन्ति।	
च. छात्रा पठति।	.....	पठति।	
छ. चक्रम् चलति।	.....	चलति।	

संशोधन .....

.....

2. कोष्ठक में दिये शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर खाली स्थान भरो—

(तत्, सा, तानि, सः, ते)

क. ते बालकाः क्रीडन्ति । (उदाहरण)

ख. ..... पुष्पाणि विकसन्ति ।

ग. ..... पत्रम् पतति ।

घ. ..... तव अश्वः ।

ङ. ..... मम माला ।

च. ..... अश्वाः धावन्ति ।

संशोधन .....

3. चित्रों की सहायता से रिक्त स्थान भरो—

क. ..... विकसति ।

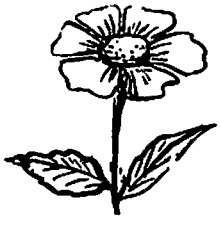

ख. फलानि ..... ।

संशोधन .....

.....

अध्यापक का हस्ताक्षर

चतुर्थः अभ्यासः

दिनांक .....

उद्देश्य—मध्यमपुरुष के एकवचन और बहुवचन का प्रयोग, नकारात्मक न एवम् अपि का प्रयोग कराना।

I. अनुवाद करो—

संस्कृत	हिन्दी	
क. त्वम् पचसि।	तू पकाता है।	(उदाहरण)
ख. त्वम् धावसि।	.....	
ग. यूयम् खादथ।	.....	
घ. त्वम् खादसि।	.....	
ङ. यूयम् पतथ।	.....	
च. यूयम् पठथ।	.....	

छ. त्वम् लिखसि । .....

ज. यूयम् हसथ । .....

संशोधन .....

.....

2. खाली स्थान भरो—

क. त्वम् पठसि । (उदाहरण)

ख. यूयम् ..... ।

ग. ..... क्रीडथ ।

घ. ..... विकसन्ति ।

ङ. ..... न लिखति ।

च. ते ..... ।

छ. त्वम् अपि ..... ।

संशोधन .....

.....

3. संस्कृत में अनुवाद करो—

हिन्दी	संस्कृत	
क. तू हँसता है।	त्वम् हससि	(उदाहरण)
ख. तुम सब खेलते हो।	.....	
ग. राम पढ़ता है।	.....	
घ. श्याम भी पढ़ता है।	.....	
ङ. लता लिखती है।	.....	
च. लड़की भी पढ़ती है।	.....	
छ. वे नहीं खाते हैं।	.....	

संशोधन .....

.....

अध्यापक का हस्ताक्षर

पञ्चमः अभ्यासः

दिनांक .....

उद्देश्य—उत्तम पुरुष के एकवचन व बहुवचन तथा अत्र, कुत्र, तत्र आदि अव्ययों का प्रयोग करना।

1. **अनुवाद करो—**

संस्कृत	हिन्दी	
क. सः चलति।	वह चलता है।	(उदाहरण)
ख. त्वम् चलसि।	.....	
ग. अहम् चलामि।	.....	
घ. ते चलन्ति।	.....	
ङ. यूयम् चलथ।	.....	
च. वयम् चलामः।	.....	

छ. सः न गच्छति । .....

संशोधन .....

.....

2. प्रश्न 1 में दिए गए वाक्यों में चल् धातु के स्थान पर क्रीड्, धाव्, खाद्, और गम् (गच्छ) रूपों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाओ—

क. सः क्रीडति (उदाहरण)	ग. सः खादति (उदाहरण)
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

ख. सः धावति

.....

.....

.....

.....

.....

.....

घ. सः गच्छति

.....

.....

.....

.....

.....

.....

संशोधन .....

.....

3. नीचे दिए गए तीनों वर्गों में से एक-एक शब्द चुनकर अधिक से अधिक वाक्य बनाओ—

अहम्	अत्र	पठथ
वयम्	तत्र	हसमि
त्वम्	कुत्र	नमामि

यूयम्	अपि	खादन्ति
ते	न	क्रीडामः
ताः	—	गच्छन्ति

ताः न गच्छन्ति । (उदाहरण)

.....।.....।

.....।.....।

.....।.....।

.....।.....।

.....।.....।

.....।.....।

.....।.....।

.....।.....।

संशोधन .....

4. संस्कृत में अनुवाद करो—

हिन्दी	संस्कृत
क. मैं यहाँ पढ़ता हूँ ।	अहम् अत्र पठामि । (उदाहरण)
ख. हम सब वहाँ जाते हैं ।	.....
ग. लड़कियाँ दौड़ती हैं ।	.....
घ. लता नमस्कार करती है ।	.....
ङ. वे खेलते हैं ।	.....
च. तू नहीं चलता है ।	.....

संशोधन .....

.....

5. चित्रों की सहायता से प्रश्नों के उत्तर दो—

क. त्वम् किम् करोषि ?

उत्तर ..... ।

ख. त्वम् किम् करोषि ?

उत्तर .....।

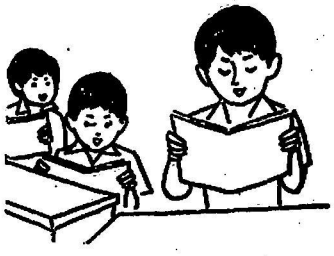

ग. यूयम् किम् कुरुथ ?

उत्तर .....।

घ. यूयम् किम् कुरुथ ?

उत्तर .....।

संशोधन .....

.....

अध्यापक का हस्ताक्षर

षष्ठः अभ्यासः

दिनांक .....

उद्देश्य—कर्मकारक का ज्ञान कराना ।

I. अनुवाद करो—

संस्कृत	हिन्दी
क. छात्रः पाठशालाम् गच्छति ।	छात्र विद्यालय जाता है । (उदाहरण)
ख. नराः चित्रम् पश्यन्ति ।	.....
ग. सा उद्यानम् गच्छति ।	.....
घ. तानि फलानि तत्र सन्ति ।	.....
ङ. अहम् फलम् खादामि ।	.....
च. प्रभा तत्र भोजनम् पचति ।	.....

छ. त्वम् पत्रम् लिखसि । .....

संशोधन .....

.....

2. खाली स्थान भरो—

क. कन्याः विद्यालयं गच्छन्ति । (उदाहरण)

ख. अहम् ..... खादामि ।

ग. वयम् ..... पठामः ।

घ. त्वम् ..... लिखसि ।

ङ. सः ..... पश्यति ।

च. प्रभा ..... पचति ।

संशोधन .....

.....

3. संस्कृत में अनुवाद करो—

हिन्दी	संस्कृत
क. रमा पत्र लिखती है।	रमा पत्रम् लिखति। (उदाहरण)
ख. तुम चित्र देखते हो।	.....
ग. लड़के उद्यान में खेलते हैं।	.....
घ. वह घर जाती है।	.....
ङ. वे फल खाते हैं।	.....
च. हम तेज़ दौड़ते हैं।	.....

संबोधन .....

.....

4. निम्नांकित चित्रों के आधार पर संस्कृत में वाक्य बनाओ—

क. .....

ख. .....

ग. .....

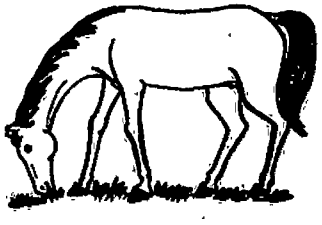

घ. .....

संशोधन .....

.....

अध्यापक का हस्ताक्षर

सप्तमः अभ्यासः

दिनांक .....

उद्देश्य—सम्बन्ध कारक के रूपों का ज्ञान कराना ।

1. अनुवाद करो—

संस्कृत	हिन्दी
क. कुसुमानाम् माला कुत्र अस्ति ?	फूलों की माला कहाँ है (उदाहरण)
ख. कुसुमानाम् माला अत्र अस्ति ।	.....
	.....
ग. मोहनः गोविन्दस्य गृहम् गच्छति ।	.....
	.....
घ. अयम् गोपालस्य विद्यालयः अस्ति ।	.....
	.....
ङ. अश्वानाम् समूहः तृणम् खादति ।	.....
	.....

च. छात्राः कुत्र गच्छन्ति ? .....

.....

संशोधन .....

.....

2. कोष्ठक में दिए हुए शब्दों के साथ उपयुक्त विभक्ति लगाकर खाली स्थान भरो—

क. सः रमेशस्य अश्वः अस्ति। (रमेश) (उदाहरण)

ख. रामः ..... पुत्रः। (गोविन्द)

ग. ..... समीपे कूपः अस्ति। (उद्यान)

घ. ..... समूहः कुत्र धावति ? (छात्र)

ङ. छात्राः ..... गच्छन्ति। (विद्यालय)

संशोधन .....

.....

3. संस्कृत में अनुवाद करो—

हिन्दी	संस्कृत
क. राकेश का विद्यालय दूर है।	राकेशस्य विद्यालयः दूरम् अस्ति। (उदाहरण)
ख. मेरा विद्यालय समीप है।	.....
ग. तुम्हारा घर कहाँ है ?	.....
घ. लड़के कहाँ खेलते हैं ?	.....
छ. तुम सब कहाँ जाते हो ?	.....

संशोधन .....

.....

अध्यापक का हस्ताक्षर

अष्टमः अभ्यासः

दिनांक .....

उद्देश्य—अधिकरण कारक का प्रयोग कराना।

1. अनुवाद करो—

संस्कृत	हिन्दी
क. वनेषु मृगाः विचरन्ति।	वन में हरिण विचरण करते हैं। (उदाहरण)
ख. सः गृहे फलानि खादति।	.....
.....	
ग. ताः बालिकाः उद्यानेषु भ्रमन्ति।	.....
.....	
घ. तडागे कमलानि विकसन्ति।	.....
.....	

ङ. पुष्पेषु भ्रमराः गुञ्जन्ति । .....

.....

संशोधन .....

.....

कोष्ठक में दिए गए शब्दों में उपयुक्त विभक्ति लगाकर वाक्य पूर्ण करो—

क. वृक्षेषु फलानि सन्ति । (वृक्ष) (उदाहरण)

ख. रमा ..... भोजनम् पचति । (गृह)

ग. ..... भ्रमराः गुञ्जन्ति । (पुष्प)

घ. ..... जलम् अस्ति । (तडाग)

ङ. ..... चित्राणि सन्ति । (पुस्तक)

च. अध्यापकाः ..... सन्ति । (विद्यालय)

संशोधन .....

.....

3. रेखांकित उदाहरणों के अनुसार खाली स्थान भरो—

लता	<u>लतायाम्</u>	<u>लतासु</u>	(उदाहरण)
वाटिका	.....	.....	
कन्या	.....	.....	
गङ्गा	.....	.....	
वृक्ष	<u>वृक्षे</u>	<u>वृक्षेषु</u>	
मनुष्यः	.....	.....	
पुत्रः	.....	.....	
भ्रमरः	.....	.....	
वनम्	<u>वने</u>	<u>वनेषु</u>	
पुस्तकम्	.....	.....	
शरीरम्	.....	.....	
पुष्पम्	.....	.....	

संशोधन .....

.....

4. संस्कृत में अनुवाद करो—

हिन्दी	संस्कृत
क. पेड़ों पर पक्षी रहते हैं।	वृक्षेषु खगाः वसन्ति। (उदाहरण)
ख. हम पाठशाला में पढ़ते हैं।	.....
ग. मोहन बाग में खेलता है।	.....
घ. प्रभा घर में भोजन पकाती है।	.....
ङ. घर के समीप वाटिका है।	.....
च. कमला सीता के साथ जाती है।	.....

संशोधन .....

.....

5. निम्नांकित चित्रों को देखकर रिक्त स्थान भरो—

क. .....

कमलानि विकसन्ति ।

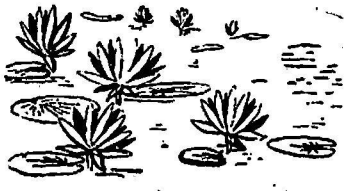

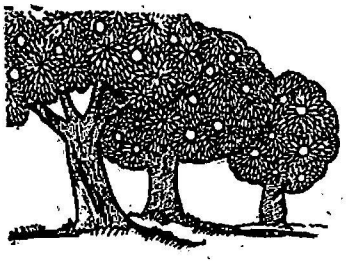

ख. .....

आम्रफलानि सन्ति ।

ग. .....

छात्राः पठन्ति ।

संशोधन .....

.....

अध्यापक का हस्ताक्षर

नवमः अभ्यासः

दिनांक .....

उद्देश्य— करण कारक, सह अव्यय और भविष्यत् काल (लृट्-लकार) का प्रयोग कराना।

1. **अनुवाद करो—**

संस्कृत	हिन्दी
क. बालिकाः कन्दुकेन क्रीडिष्यन्ति।	लड़कियाँ गेंद से खेलेंगी। (उदाहरण)
ख. ताः कलमेन पत्राणि लिखन्ति।	.....
.....	
ग. अहम् अद्य वाटिकाम् गमिष्यामि।	.....
.....	

घ. श्यामः मित्रेण सह गृहम् गमिष्यति । .....

.....

ङ. ते रथेन ग्रामम् गच्छन्ति । .....

.....

च. सीता केन सह वनम् गच्छति ? .....

.....

छ. यूयम् केन यानेन नगरम् गच्छथ ? .....

.....

ज. ते वृन्दावनम् कदा गमिष्यन्ति ? .....

.....

संबोधन .....

.....

2. **कोष्ठक में दिए गए शब्दों में उचित विभक्ति लगा कर रिक्त स्थान भरो—**

क. सः कन्दुकेन क्रीडिष्यति । (कन्दुक) (उदाहरण)

ख. अहम् ..... पत्रम् लिखामि । (कलम)

ग. त्वम् ..... सह पाठशालाम् गमिष्यसि । (सुनील)

घ. गोपालः ..... सह पठिष्यति । (सुधीर)

संशोधन .....

.....

3. **दिए गए उदाहरण के अनुसार परिवर्तन करो—**

क. रामः गच्छति । रामः गमिष्यति । (उदाहरण)

ख. गोपालः कृषिम् करोति । .....

ग. छात्राः सत्यम् वदन्ति । .....

घ. बालिकाः समाचारपत्रम् पठन्ति । .....

ङ. नराः वाटिकायाम् भ्रमन्ति । .....

च. अश्वाः वेगेन धावन्ति । .....

छ. छात्राः कलमेन लिखन्ति । .....

संशोधन .....

.....

4. संस्कृत में अनुवाद करो—

हिन्दी	संस्कृत
क. श्याम राम के साथ विद्यालय जायेगा ।	श्यामः रामेण सह विद्यालयम् गमिष्यति । (उदाहरण)
ख. मैं मित्र के साथ उद्यान में खेलूंगा ।	.....

.....

नवमः अभ्यासः

ग. मीरा गेंद से खेलती है । .....

.....

घ. छात्राएँ पाठ पढ़ेंगी । .....

.....

ङ. छात्र प्रयाग जायेंगे । .....

.....

संशोधन .....

.....

दशमः अभ्यासः

दिनांक .....

उद्देश्य—अपादान कारक का परिचय एवम् करण कारक से उसकी भिन्नता का बोध कराना ।

1. अनुवाद करो—

संस्कृत	हिन्दी
क. वृक्षेभ्यः कुसुमानि पतन्ति ।	पेड़ों से फूल गिरते हैं। (उदाहरण)
ख. बालः आपणात् आगच्छति ।	.....
	.....
ग. अहम् नगरात् बहिः गमिष्यामि ।	.....
	.....

घ. अध्यापकः पुस्तकालयात् पुस्तकानि आनयति । .....

.....

ङ. गोविन्दः सायम् मित्रैः सह क्रीडति । .....

.....

च. सः गृहात् मित्रेण सह आगच्छति । .....

.....

संशोधन .....

.....

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द लगाकर रिक्त स्थान भरो—

क. सः कन्दुकेन क्रीडति । (कन्दुकेन, कन्दुकात्) (उदाहरण)

ख मम गृहम् ..... दूरम् । (विद्यालयस्य, विद्यालयात्)

ग. त्वम् दुग्धम् ..... । (पिबति, पिबसि)

घ. अहम् विद्यालयम् ..... । (गच्छति, गच्छामि)

ङ. सः ..... पतति । (वृक्षस्य, वृक्षात्)

च. पिता बालाय आम्रवृक्षात् फलानि ..... ।

(त्रोटयति, त्रोटयन्ति)

संशोधन .....

.....

3. संस्कृत में अनुवाद करो—

हिन्दी	संस्कृत
क. राम घर से जायेगा ।	रामः गृहात् गमिष्यति । (उदाहरण)
ख. पेड़ों से फूल गिरते हैं ।	.....
ग. लता गेंद से खेलती है ।	.....

घ. श्याम पुस्तक पढ़ता है । .....

ङ. मोहन दूध पीता है । .....

च. रमा चित्रों को देखती है । .....

छ. लड़के घरों से आते हैं । .....

संशोधन ....

4. चित्रों की सहायता से खाली स्थान भरो—

क. ..... प्रवहति ।

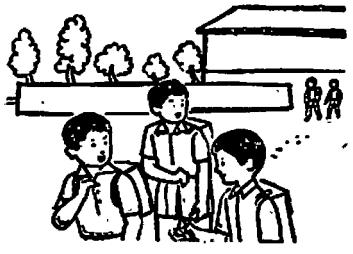

ख. ..... आगच्छन्ति ।

ग. ..... पतन्ति ।

संशोधन .....

.....

एकादशः अभ्यासः

दिनांक .....

उद्देश्य—सम्प्रदान कारक के एकवचन व बहुवचन का परिचय कराना।

अनुवाद करो—

क. माता रामाय भोजनम् पचति।

माता राम के लिए भोजन बनाती है। (उदाहरण)

ख पिता बालकेभ्यः मोदकानि ददाति। .....

.....

ग: ताः बालिकाः पाठशालाम् पठनाय गच्छन्ति। .....

.....

घ. शिक्षकः छात्रेभ्यः विद्याम् ददाति। .....

.....

ङ. सज्जनाः देवेभ्यः फलानि अर्पयन्ति । .....

.....

संशोधन .....

.....

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द लगाकर खाली स्थान भरो—

क. सः मोहनाय जलम् आनयति । (मोहनम्, मोहनाय) (उदाहरण)

ख. ..... भोजनम् खादति । (त्वम्, सः)

ग. मोहनः पत्रम् ..... । (लिखसि, लिखति)

घ. जनकः ..... मोदकानि ददाति । (बालेभ्यः, बालान्)

ङ. सा भ्रमणाय तत्र ..... । (गच्छसि, गच्छति)

च. अहम् मित्राय पुस्तकम् ..... । (ददासि, ददामि)

संशोधन .....

.....

3. संस्कृत में अनुवाद करो—

क. राम मोहन को पुस्तक देता है।

रामः मोहनाय पुस्तकम् ददाति। (उदाहरण)

ख. रमा कलम से पत्र लिखती है। .....

.....

ग. वह शाम को भोजन के लिए आता है। .....

.....

घ. पेड़ों से पत्ते गिरते हैं। .....

.....

ङ. हम पढ़ने के लिए विद्यालय जाते हैं। .....

.....

संशोधन .....

.....

4. निम्नलिखित चित्रों के माध्यम से प्रश्नों के उत्तर दो—

क. भक्ताः मन्दिरम् किमर्थम् गच्छन्ति ?

.....

.....

ख. धनिकः कस्मै दानम् ददाति ?

.....

.....

ग. माता कस्यै मोदकम् ददाति ?

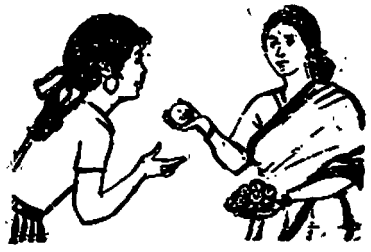

....

....

संशोधन .....

.....

अध्यापक का हस्ताक्षर

द्वादशः अभ्यासः

दिनांक .....

उद्देश्य—पूर्वपठित कारकों का अभ्यास कराना।

अनुवाद करो—

क. माता पुत्राय दुग्धम् ददाति।

माता पुत्र को दूध देती है। (उदाहरण)

ख. अहम् रामेण सह तत्र गमिष्यामि। .....

.....

ग. बालकाः कन्दुकेन उद्याने क्रीडन्ति। .....

.....

घ. कन्याः उद्यानात् पुष्पाणि आनयन्ति। .....

.....

ङ. ते विहाराय उद्यानम् गच्छन्ति । .....

.....

च. वयम् गीतम् गायामः । .....

.....

संशोधन .....

.....

कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द लगा कर खाली स्थान भरो—

क. बालकाः बालकैः सह धावन्ति । (बालकैः, बालकेभ्यः) (उदाहरण)

ख. ..... चित्राणि पश्यन्ति । (वयम्, ते)

ग. सः ..... पाठशालाम् गच्छति । (पठने, पठनाय)

घ. अश्वः ..... धावति । (पादेन, पादैः)

ङ. बालिकाः ..... केशान् भूषयन्ति । (पुष्पाणि, पुष्पैः)

संशोधन .....

.....

3. संस्कृत में अनुवाद करो—

क. लड़के लड़कियों के साथ खेलते हैं।

बालकाः बालिकाभिः सह क्रीडन्ति। (उदाहरण)

ख. राम मोहन के साथ विद्यालय को जाता है। .....

.....

ग. लता पुस्तक पढ़ती है। .....

.....

घ. लड़कियाँ चित्र देखती हैं। .....

.....

ङ. छात्र वाक्य की रचना करता है। .....

.....

संशोधन .....

.....

4. चित्रों की सहायता से संस्कृत-वाक्यों को बनाओ—

	चित्र.	वाक्य-रचना
क.		....
ख.		....

ग.

.....

.....

संशोधन .....

.....

अध्यापक का हस्ताक्षर

त्रयोदशः अभ्यासः

दिनांक .....

उद्देश्य—आज्ञार्थक वाक्यों (लोट्-लकार) का प्रयोग कराना।

1. अनुवाद करो—

क. शेखर ! त्वम् उत्तमानि पुस्तकानि पठ।

शेखर ! तुम अच्छी किताबें पढ़ो। (उदाहरण)

ख. बालकाः ! यूयम् चित्राणि लिखत। .....

.....

ग. यूयम् क्रीडाक्षेत्रे क्रीडत। .....

.....

घ. सत्यम् वद। .....

ङ. यूयम् शतम् जीवत । .....

संशोधन .....

.....

2. संस्कृत में अनुवाद करो—

हिन्दी	संस्कृत	
क. सदा सत्य बोलो ।	सदा सत्यम् वद ।	(उदाहरण)
ख. स्वच्छ पानी पियो ।	.....	
ग. राजीव, पाठ पढ़ो ।	.....	
घ. पत्र लिखो ।	.....	
ङ. राम, तुम गाँव जाओ ।	.....	
च मोहन, तुम दूध लाओ ।	.....	

संशोधन .....

.....

3. चित्रों की सहायता से आज्ञार्थक वाक्य बनाओ—

क. .....

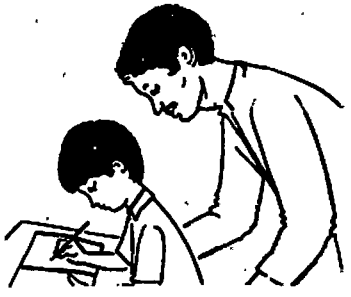

ख. .....

संशोधन .....

.....

अध्यापक का हस्ताक्षर

चतुर्दशः अभ्यासः

नीतिश्लोकाः

दिनांक .....

उद्देश्य—श्लोकों का शुद्ध उच्चारण एवं सस्वर पाठ सिखाना और श्लोकों के मुख्य भाव का परिचय कराना ।

1. निम्नलिखित भावों के अनुसार अपनी पुस्तक से श्लोक चुनकर खाली स्थानों को भरो—

क. वृद्ध और गुरुजन का आदर करने वाले की बढ़ोतरी होती है ।

.....

.....

चतुर्दशः अभ्यासः

ख. आलसी मनुष्य समाज में सुख नहीं पाता है।

.....

.....

ग. प्रयत्न से ही कार्य सिद्ध होते हैं, केवल चाहने से नहीं।

.....

.....

घ. उदार मनुष्य के लिए सारा संसार ही एक परिवार है।

.....

.....

संशोधन .....

.....

अध्यापक का हस्ताक्षर

पञ्चदशः अभ्यासः

जन्तुशाला

दिनांक .....

उद्देश्य—भूतकाल (लङ्-लकार) का प्रयोग सिखाना।

1. **अनुवाद करो**—

संस्कृत	हिन्दी
क. रमा पुस्तकम् अपठत्।	रमा ने पुस्तक पढ़ी। (उदाहरण)
ख. ते चित्राणि अपश्यन्।	.....
	.....
ग. माता भोजनम् अपचत्।	.....
	.....

घ. त्वम् ह्यः पाठशालाम् अगच्छः । .....

.....

ङ. अहम् पूजनाय मन्दिरम् अगच्छम् । .....

.....

च. यूयम् उद्याने अक्रीडत । .....

.....

छ. वयम् दुग्धम् अपिबाम । .....

.....

संशोधन .....

.....

2 कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान में भरो—

क. बालाः पठनाय पाठशालाम् अगच्छन् । (अगच्छः, अगच्छन्) (उदाहरण)

ख. पिता पुत्राय मोदकानि ..... । (आनयन्, आनयत्)

ग. ते दुग्धम् ..... । (अपिबत्, अपिबन्)

घ. किम् त्वम् मोदकम् ..... । (अखादत्, अखादः)

ङ. यूयम् दुग्धम् ..... । (अपिबत, अपिबम्)

च. अहम् उद्यानम् ..... । (अगच्छः, अगच्छम्)

छ. वयम् चित्राणि ..... । (अपश्यत्, अपश्याम)

संशोधन .....

.....

3. संस्कृत में अनुवाद करो—

क. सीता राम के साथ वहाँ खेली । .....

.....

ख. सीता के साथ लक्ष्मण भी गया । .....

.....

ग. बालकों के साथ बालिकाएँ भी चिड़ियाघर गईं । .....

.....

घ. मेरे साथ श्याम भी जलपानघर से आया । .....

.....

ङ. तुम्हारे साथ किसने दूध पिया ? .....

.....

संशोधन .....

4. निम्नलिखित क्रियाओं के द्वारा वाक्य रचना करो—

क. अधावत् बालकः अधावत्। (उदाहरण)

ख. अखादत् .....

ग. अलिखाम् .....

घ. अपश्यः .....

संशोधन .....

.....

अध्यापक का हस्ताक्षर

षोडशः अभ्यासः

मूर्खवानरकथा

दिनांक .....

उद्देश्य—भूतकाल (लङ् लकार) का अभ्यास कराना।

1. रिक्त स्थानों में भूतकाल की क्रिया पद भरो—

क. नीडेषु खगाः अवसन् । (गृहरण)

ख. वानरः वृक्षतले .....

ग. रामः ह्यः मम गृहम् .....

घ. पशवः क्षेत्रे .....

ङ. नगर्यां महती वृष्टिः .....

संशोधन .....

.....

2. अनुवाद करो—

हिन्दी	संस्कृत
क. मोहन ने दूध पिया ।	मोहनः दुग्धम् अपिबत् । (उदाहरण)
ख. सब छात्र विद्यालय गये ।	.....
	.....
ग. तू कल कहाँ गया था ?	.....
	.....
घ. तुम सबने वहाँ क्या देखा ?	.....
	.....
ङ. हम सब उद्यान में गेंद से खेले ।	.....

संशोधन .....

.....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो—

प्रश्न	उत्तर
क. वानरः कुत्र अवसत् ?	वानरः वृक्षतले अवसत्। (उदाहरण)
ख. वानरः कथम् कम्पितः आसीत् ?	.....
ग. वानरम् के निन्दन्ति स्म ?	.....
घ. वानरः केषाम् नीडानि वृक्षात् अपातयत् ?	.....

ङ. उपदेशः केषाम् प्रकोपाय भवति ? .....

.....

संशोधन .....

.....

अध्यापक का हस्ताक्षर

सप्तदशः अभ्यासः

सिंह-शशककथा

दिनांक .....

उद्देश्य—स्म का प्रयोग तथा पूर्व पठित लकारों की पुनरावृत्ति।

1. **प्रश्नों के उत्तर हिंदी में दो—**

प्रश्न	उत्तर
क. दुर्दान्तः कुत्र अवसत् ?	दुर्दान्त पर्वत पर रहता था। (उदाहरण)
ख. शशकः तम् कुत्र अनयत् ?	.....
	.....
ग. सिंहः कूपे किम् अपश्यत् ?	.....
	.....

घ. तदा सः किम् अकरोत् ? .....

.....

ङ. सिंहः केन निपातितः ? .....

.....

संशोधन .....

.....

2. संस्कृत में अनुवाद करो—

हिन्दी	संस्कृत
क. शेर वन में रहता था।	सिंहः वने वसति स्म। (उदाहरण)
ख. शेर प्रतिदिन एक जानवर को खाता था।	.....
ग. सब जानवर शेर के पास गये।	.....

.....

.....

घ. खरगोश बहुत चतुर था। .....

.....

ङ. खरगोश शेर को कुएँ के पास ले गया। .....

.....

च. शेर ने कुएँ में अपनी परछाईं देखी। .....

.....

संशोधन .....

.....

3 निम्नलिखित उदाहरणों के अनुसार पाठ में आई हुई भूतकाल की सभी क्रियाओं को चुनकर लिखो—

वसति स्म, अचिन्तयत्, ...

....

....

....

....

....

संशोधन .....

.....

4. निम्नलिखित क्रियाओं से वाक्य बनाओ—

क. करोति स्म सः उद्याने भ्रमणं करोति स्म। (उदाहरण)

ख. अगच्छत् .....

ग. अवदत् .....

घ. आसीत् .....

ङ. अभवत् .....

सशोधन .....

.....

अध्यापक का हस्ताक्षर

अष्टादशः अभ्यासः

दीपावलिः

दिनांक .....

उद्देश्य—वर्तमान काल तथा भूतकाल की पुनरावृत्ति ।

1. खाली स्थान भरो—

क. दीपावल्याः उत्सवः अतीव रम्यः अस्ति । (उदाहरण)

ख. जनानाम् हृदयेषु ..... भवति

ग. जनाः गृहाणि .....

घ श्रीरामचन्द्रः युद्धे रावणम् .....

ङ. दीपावल्याः दिवसे जनाः रात्रौ .....

संशोधन .....

.....

2. संस्कृत में अनुवाद करो—

क. दीवाली के त्यौहार को सब लोग उत्साह से मनाते हैं।

दीपावल्याः उत्सवम् सर्वे जनाः उत्साहेन आयोजयन्ति। (उदाहरण)

ख. बच्चे खिलौने से खेलते हैं। .....

.....

ग. सब लोग मिठाई खाते हैं। .....

.....

घ. रात को लक्ष्मी की पूजा करते हैं। .....

.....

ङ. लोग अपने मित्रों को शुभ संदेश भेजते हैं। .....

.....

संशोधन .....

3. निम्नलिखित क्रियाओं को वर्तमान एवं भविष्यत् काल में उसी पुरुष एवं वचन में बदलो—

भूतकाल की क्रिया	वर्तमान काल	भविष्यत् काल
क. अभवत्	भवति	भविष्यति (उदाहरण)
ख. आलोकयन्	.....	.....
ग. अजयन्	.....	.....
घ. आगच्छत्	.....	.....
ङ. अभूषयम्	.....	.....
च. अपठः	.....	.....

संशोधन .....

.....

अध्यापक का हस्ताक्षर

एकोनविंशः अभ्यासः

धूर्तशृगालः

दिनांक .....

उद्देश्य—क्त्वा प्रत्यय का प्रयोग सिखाना ।

1. संस्कृत में उत्तर दो—

क. काकः भूमौ किम् अपश्यत् ?

काकः भूमौ एकं मांसखण्डम् अपश्यत् । (उदाहरण)

ख. सः कुत्र उपाविशत् ? .....

.....

ग. वृक्षस्य समीपे अन्यः कः आगच्छत् ? .....

.....

घ. मिथ्यास्तुतिं श्रुत्वा काकः किम् अकरोत् ? .....

.....

ङ. काकस्य मुखात् मांसखण्डं कुत्र अपतत् ? .....

.....

च. मांसखण्डं गृहीत्वा शृगालः किम् अकरोत् ? .....

.....

संशोधन .....

.....

2. रिक्त स्थानों में उपयुक्त शब्द भरो—

क. काकः शाखायाम् अनृत्यत् । (अनृत्यन्, अनृत्यत्) (उदाहरण)

ख. शृगालः मांसखण्डम् गृहीत्वा वनं प्रति ..... ।

(अधावन्, अधावत्)

ग. शृगालः शाठ्येन ..... (काकम्, काकेन) अवदत् ।

घ. शृगालः मांसखण्डम् ..... (दृष्ट्वा, दृष्ट्या) लुब्धः अभवत् ।

संशोधन .....

.....

3 संस्कृत में अनुवाद करो—

क. एक कौआ भूखा था ।

एकः काकः बुभुक्षितः आसीत् । (उदाहरण)

ख. कौए के मुख में मांस का टुकड़ा था । .....

.....

ग. सियार चालाक था । .....

.....

घ. सियार ने कौए की झूठी प्रशंसा की । .....

.....

ङ. सियार ने मांस का टुकड़ा कौए से ले लिया । .....

.....

संशोधन .....

.....

अध्यापक का हस्ताक्षर

विंशः अभ्यासः

सिद्धार्थः

दिनांक .....

उद्देश्य—तुमुन् प्रत्यय का परिचय और भूतकाल की पुनरावृत्ति ।

1. संस्कृत में उत्तर दो—

क. सिद्धार्थः भ्रमणाय कुत्र अगच्छत् ?

सिद्धार्थः भ्रमणाय उपवनम् अगच्छत् । (उदाहरण)

ख. उपवने खगाः किम् कुर्वन्ति स्म ? .....

.....

ग. हंसं दृष्ट्वा देवदत्तः किम् अकरोत् ? .....

.....

घ. सिद्धार्थः देवदत्तं किम् अवदत् ? .....

.....

ङ. शरेण विद्धः हंसः कुत्र अपतत् ? .....

.....

च. हंसस्य रक्षकः कः आसीत् ? .....

.....

संशोधन .....

.....

2. खाली स्थानों में उपयुक्त शब्द भरो—

क. खगाः कलरवम् अकुर्वन् । (उदाहरण)

ख. देवदत्तः शरेण ..... अविध्यत् ।

ग. देवदत्तः सिद्धार्थम् ..... ।

घ. सिद्धार्थस्य देवदत्तस्य मध्ये विवादः .....।

संशोधन .....

.....

3. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो—

हंसः हंसः भूमौ अपतत्। (उदाहरण)

उपवनम् .....

खगाः .....

रक्षकः .....

अतुष्यत् .....

वृत्तान्तम् .....

संबोधन .....

.....

अध्यापक का हस्ताक्षर

एकविंशः अभ्यासः

दशमः त्वम् असि

दिनांक .....

उद्देश्य—एक से दस तक संख्यावाचक शब्दों का ज्ञान कराना ।

1. संस्कृत में उत्तर दो—

क. कति बालकाः स्नानाय अगच्छन् ?

दश बालकाः स्नानाय अगच्छन् । (उदाहरण)

ख. ते स्नानाय कुत्र अगच्छन् ? .....

.....

ग. बालकः कम् न अगणयत् ? .....

.....

घ. मार्गे कः अगच्छत् ? .....

.....

ङ. पथिकः किम् अवदत् ? .....

.....

संबोधन .....

.....

2. निम्नलिखित शब्दों के संस्कृत शब्द बताओ—

हिन्दी	संस्कृत	
एक	एकः	(उदाहरण)
दो	.....	
तीन	.....	
चार	.....	
पाँच	.....	

छः .....

सात .....

आठ .....

नौ .....

दस .....

संशोधन .....

.....

3. संस्कृत में अनुवाद करो—

क. चार लड़के खेलने के लिए बाग में जाते हैं।

चत्वारः बालकाः क्रीडनाय उपवनम् गच्छन्ति। (उदाहरण)

ख. सब लड़कों ने दस आम खाये। .....

.....

ग. पाँच मित्र घूमने के लिए जायेंगे। .....

.....

घ. मैं स्नान के लिए नदी जाऊँगा। .....

.....

ङ. वहाँ मैं नौ पक्षियों को गिनूँगा। ....

.....

संशोधन .....

.....

4. चित्रों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दो—

क. कति अश्वाः धावन्ति ?

उत्तर .....

.....

ख. कति वानराः फलम् खादन्ति ?

उत्तर .....

.....

ग. कति बालिकाः नृत्यन्ति ?

उत्तर .....

.....

संशोधन .....

.....

अध्यापक का हस्ताक्षर

द्वाविंशः अभ्यासः

सुभाषितानि

दिनांक .....

उद्देश्य—श्लोकों का शुद्ध उच्चारण कराना, सस्वर पाठ का अभ्यास और मुख्य भावों का परिचय।

1. नीचे लिखे भावों के अनुसार श्लोक लिखो—

क. पुस्तकं पढ़ने के पश्चात् अभ्यास करना आवश्यक है।

.....

.....

ख. गुणवान लोग नम्र होते हैं।

.....

.....

ग. सुख देना पुण्य है और दुख देना पाप है ।

.....

.....

घ. प्रिय वचन बोलने में कृपणता मत करो ।

.....

.....

ङ. अधिक सन्तान वाले बड़े परिवार की अपेक्षा गुणी सन्तान वाला छोटा परिवार अच्छा है ।

.....

.....

संशोधन .....

.....

अध्यापक का हस्ताक्षर

NIRANTAR
3024
11 May 2001

0504

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING